

Aesthetics

सौंदर्यशास्त्र

यह एक विज्ञान और कला का सिद्धान्त है। कला सौंदर्य का दिल है राजमहल की जिन्दगी में सरपेंटिक गतिविधि देखी जा सकती है दृश्य कला की व्याख्या करने के लिए कई सिद्धान्त विकसित किये गये हैं और वे सौंदर्यशास्त्र के अध्ययन के अन्तर्गत आते हैं। ऐतिहासिक समय में बनाई गई दृश्य कला उस व्यक्ति के स्वयं को दर्शाती है हम मुगल सम्राट के बारे में जानते हैं जिन्होंने राजमहल और उन जैसी अन्य संरचनाएँ बनवायी थी जो हमें उस समय और उद्देश्य के बारे में बताती हैं।

सौंदर्यशास्त्र की परिभाषा और अर्थ — सौंदर्यशास्त्र यह

शब्द ग्रीक शब्द (एथिसिस) से उत्पन्न हुआ है पहली बार 18वीं शताब्दी में जर्मन दार्शनिक अलेक्जेंडर बॉम्बार्टन द्वारा उत्पन्न किया गया था सौंदर्यशास्त्र शब्द उन सिद्धान्तों को संदर्भित करता है जो प्रकृति और सुन्दरता की सराहना करते हैं। विशेष रूप से दृश्य कला में।

सौंदर्यशास्त्र दर्शन की शाखा को संदर्भित करता है जो सौंदर्य और कलात्मक स्वयं के मूल्यांकन से सम्बन्धित है। सौंदर्य शास्त्र निम्नलिखित सवालों को कवर करता है —

- (i) सौंदर्य क्या है ?
- (ii) क्या चीजें स्वयंसेवक बनाती हैं ?
- (iii) कला क्या है ?
- (iv) कला का मूल्य क्या है ?
- (v) अच्छी कला और बुरी कला में क्या अन्तर है ?
- (vi) कला क्या है यह तय करने के लिए कौन योग्य है ?

सौंदर्यशास्त्र दर्शन का एक हिस्सा है जो कला की प्रकृति को समझने की कोशिश करता है। आम शब्दों में यह निम्नों का एक समूह है जो हमें कला के एक टुकड़े को पहचानने में मदद करता है। तथ्य यह है कि कला दर्शन से उपजी है क्योंकि कला की हमारी धारणा मुख्य रूप से मानव प्रकृति पर निर्भर है इसलिए यह स्वाभाविक है कि सौंदर्यशास्त्र दार्शनिक है।

कला में सौंदर्यशास्त्र का महत्व — सौंदर्यशास्त्र महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें कला में पाए जाने वाले विभिन्न गुणों को समझने और न्याय करने में मदद करता है।

सौंदर्यशास्त्र चित्रकारों को अपने चित्रों को खुद से आंकने में मदद करता है। इसके बिना, उन्हें अपने काम की गुणवत्ता का न्याय करने के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ेगा लेकिन सौंदर्यशास्त्र उन्हें अपने वर्तमान कौशल स्तर का सहारा देने में मदद करता है, ताकि उन्हें दूसरों पर निर्भर न रहना पड़े और अपने आप में सुधार ले सकें।

कला की समीक्षा करने के लिए सौंदर्यशास्त्र के विचारों का विद्यालय माना जा सकता है। कई लोग, विशेष रूप से आधुनिक कलाकार यह मानते हैं कि पुरानी पेंटिंग तकनीक अब पुरानी हो गई है, लेकिन आप हमेशा उन प्राचीन तकनीकों से बहुत कुछ सीख सकते हैं और यहाँ तक कि अपनी आवश्यकताओं के अनुसार उन्हें संशोधित भी कर सकते हैं। कला केवल चित्रों तक सीमित नहीं है जीवन के अलग पहलू में कला है। यहाँ तक कि अपनी दैनिक जीवन शैली में सुधार करना चाहते हैं तो आपको समीक्षा करते समय सौंदर्यशास्त्र पर विचार करने की आवश्यकता है, और यही वह है जो इसे कला का अभिन्न अंग बनाता है।